OFFICE OF THE GENERAL
INTERNATIONAL HEADQUARTERS

<u>जनरल द्वारा 2023 का ईस्टर संदेश</u>

'पूरा हुआ' (यूहन्ना 19:30)

मुक्ति फ़ौज के विश्वव्यापी अगुवों को नए जनरल का चुनाव करने के आमंत्रण के साथ इस साल ईस्टर की शुरुआत होती है। अन्तर्राष्ट्रीय अगुवों की भूमिका में सेवा करने की अवधि कमिश्नर रोज़ैली और मेरे लिए अब समाप्ति की ओर है, और हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए थे हम उन्हें पूरा करने की कोशिश में हैं। जल्द ही हमें यह कहने की आवश्यकता होगी, 'पूरा हुआ'।

इसलिए जब मैं ईस्टर के बारे में सोचता हूं, तो मैं क्रूस पर यीशु के शब्दों की ओर आकर्षित होता हूं: 'पूरा हुआ'। लेकिन यूहन्ना 19:30 में दर्ज यीशु की ज़ुबान से निकलने वाले ये शब्द और अधिक गहरे हैं। उसका दुनियावी जीवन - सभी मानव जीवनों में महानतम और उसकी सेवकाई - सभी सेवकाईयों में सबसे ज़्यादा दूरगामी - पूरी हो चुकी थी।

पूरा हुआ।

लेकिन यह वचन 'पूरा हुआ' और भी गहरा अर्थ ले लेता है जब हम विचार करते हैं कि यीशु ने उन्हें अरामी की अपनी भाषा में बोला था, इसलिए जिस शब्द का उसने उपयोग किया वह पूर्ण समर्पण को दर्शाता है - अपनी मृत्यु से पहले उसने पूरा किया। मसीह में, ईश्वर-जो-कभी-मर-नहीं-सकता उसने स्वेच्छा से और पूरी तरह से मानव बनने के लिए स्वयं को प्रस्तुत किया। ऐसा करने में उसने स्वयं दर्द, पीड़ा और मृत्यु का अनुभव किया। पौलुस फिलिप्पियों 2: 5-8 *(BSI)* में इसे बयान करता है, जब वह लिखता है, 'जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो; जिसने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा। वरन् अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया। और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर अपने आप को दीन किया, और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु, हाँ, क्रूस की मृत्यु भी सह ली।' प्रभु यीशु ने स्वयं हमारे मानवीय स्वरुप को धारण किया। वह हमें समझता है। उसने घोर अपमान की चरम सीमा के साथ सार्वजनिक मृत्यु का अनुभव किया। मानवीय अनुभव में हमारे साथ उसकी समानता - दर्द, पीड़ा और मृत्यु सहित - पूर्ण हो गई है।

पूरा हुआ।

बाद में जब यूहन्ना ने ग्रीक में सुसमाचार को लिखा, तो वह यीशु मसीह के इस अंतिम वचन 'पूरा हुआ' को दर्ज करता हुआ आर्थिक दुनिया के एक शब्द का उपयोग करता है, जिसका अर्थ है 'भुगतान पूरा हुआ।' तो इसलिए प्रचारक हमें याद दिलाते हैं कि, यीशु के सम्पूर्ण समर्पण में, उसने सारी मानवता के लिए पाप का कर्ज चुका दिया। क्रूस पर, हमारे क़र्ज़े का पूरा भुगतान कर दिया गया है। पौलुस के लिए 'पूर्ण भुगतान' का अर्थ है कि अब हमारे पापों की गिनती नहीं रही और सलीब के माध्यम से हमारा महत्वपूर्ण मेलमिलाप हो चुका है। इस तथ्य का वर्णन वह 2 कुरिन्थियों 5:19 *(BSI)* में करता है: 'अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेलमिलाप कर लिया, और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया...' पाप अब

मुद्दा नहीं रहा - ख़ास बात सिर्फ यह रही कि हम किस प्रकार उस उद्धारकर्ता को प्रतिउत्तर देते हैं जिसने हमारे क़र्ज़ का पूरा भुगतान कर दिया है।

पूरा हुआ।

वर्ष की शुरुआत में, मैंने इस बात की पुष्टि की कि 'एक ही बार और सभी के लिए' । रोमियों 6:10 में हम पढ़ते हैं: 'क्योंकि वह जो मर गया तो पाप के लिये एक ही बार मर गया; परन्तु जो जीवित है तो परमेश्‍वर के लिये जीवित है।' हमारे लिए परमेश्वर की व्यवस्था एक नई वाचा के साथ शुरू हुई, जो क्रूस से शुरू होती है। एक ही बार और सभी के लिए। पूर्ण भुगतान हो चुका। इब्रानियों 9:28 हमें याद दिलाती है कि मसीह हमारे समेत बहुतों के पापों को उठा लेने के लिए एक ही बार बलिदान हुआ, जबकि यूहन्ना 1:29 घोषणा करता है, 'देखो, यह परमेश्वर का मेमना है, जो जगत के पाप उठा ले जाता है' *(BSI)*। ये मेरे और आपके गुनाह हैं।

पूरा हुआ।

इस सत्य में कि मसीह एक ही बार और सभी के लिए मरा, यह भी सत्य है कि वह जीवित है, और क्योंकि वह जीवित है, हम भी जीवित रह सकते हैं। यह ईस्टर संदेश का सार है। चाहे कुछ भी हो जाए, हमारे लिए परमेश्वर के कार्य की सच्चाई चट्टान की तरह ठोस बनी रहेगी। चाहे कुछ भी हो जाए, हम उसके हाथों में सुरक्षित हैं और उसके प्रावधान से पूरी तरह वाकिफ हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, हम 'जयवन्त से बढ़कर' और 'सब बातों के बीच में जयवंत' के रूप में जी सकते हैं, क्योंकि उसका अनुग्रह पर्याप्त है और वह विश्वासयोग्य है। रोमियों 5:8 कहती है: 'परन्तु परमेश्‍वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।' ये हो गया! एक ही बार और सदा के लिए ... और यह सब कुछ बदल देता है।

पूरा हुआ।

कमिश्नर रोज़ैली और मैं मिलकर आपको ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं भेजते हैं।

ब्रायन पैडल
जनरल